खबर एक्सप्रेस

इतिहास विभाग ने राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा भारतीय समाज में समग्र संस्कृति की ऐतिहासिकता विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन व नेतृत्व में किया गया। इस संगोष्ठी को निदेशक उच्च शिक्षा हरियाणा द्वारा अनुमोदित किया गया था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ दीपशिखा प्रज्वलन एवं पौधा भेंटकर अतिथियों के सत्कार के साथ हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह संगोष्ठी एक मंच प्रदान करेगी और इतिहासविदों, शोधकताओं और छात्रों के बीच बातचीत समक्ष करेगी। संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की महत्वता और चुनौतियों पर गंभीर मंथन व चिंतन कर इसके विभिन्न पक्षों व धाराओं पर चर्चा कर भविष्य में आने वाली बांधाओ से सुरक्षित करना रहा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय इतिहास विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर केएल टूटेजा जी रहे। जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समकालीन समय में इतिहास, भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता और हमें इतिहास का अध्ययन क्यों और कैसे करना चाहिए, वीज वक्ता डॉ. प्रियतोष शर्मा, अध्यक्ष इतिहास विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने हिंदुस्तान (भारत) के निर्माण में सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिमान एक अवलोकन विषय पर ऑनलाइन मोड में बात की। जिसमें उन्होंने ऐतिहासिक कालखंडों और हर चीज पर सवाल उठाने के विचार का पता लगाया और यह भी कहा कि ईश्वर की अंतिमता तय नहीं थी। मिश्रित संस्कृति को समझने के लिए, उन्होंने महसूस किया कि कोई भी ग्रंथों का उल्लेख कर सकता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगोष्ठी के सहायक संयोजक डॉ. रामचंद्र, डॉ. नरेश कामरा, पूजा, सुभाष व लवकेश का विशेष योगदान रहा। सम्मेलन में लगभग 97 प्रतिभागियों ने भाग लिया।